१० मुंबई विश्व प्रहरी टाइम्स

मुंबई टाइम्स

शुक्रवार, १८ जून २००४

जीर्ण रोगों का सस्ता और प्रभावी इलाज है होम्योपैथी

मुंबई की होम्योपैथी डाक्टर द्वितीया पै का कहना है कि उनके पास दूसरी चिकित्सा पद्धतियों से इलाज कराकर थक चुके अनेक मरीज आते हैं और ठीक होने पर होम्योपैथी को धन्यवाद देते हैं। डॉ द्वितीया पै बताती हैं कि होम्योपैथी एक सस्ती व अत्यंत प्रभावी चिकित्सा पद्धति है जो बीमारियों को धीरे-धीरे परंतु समूल खत्म कर देती है।

आज के समय में जब लोग छोटी-मोटी बीमारियों के इलाज पर हजारों-लाखों रुपए खर्च कर रहे हैं ऐसे में होम्योपैथी एक ऐसी चिकित्सा पद्धति है जो न केवल जीर्ण रोगों के इलाज में कारगर साबित हो रही है बल्कि यह दूसरी चिकित्सा पद्धतियों से सस्ती भी है। मजे की बात यह है कि इस पद्धति से इलाज कराने वाले मरीज को न तो इंजेक्शन और कड़वी दवाइयां लेनी पड़ती हैं और न ही किसी प्रकार के आपरेशन आदि कराने पड़ते हैं। होम्योपैथी चिकित्सकों द्वारा दी जाने वाली मीठी-मीठी सफेद दवाई की गोलियां अनेक ऐसे रोगों के इलाज में कारगर सिद्ध हो रही हैं जिनके लिए दूसरी पैथी के डॉक्टर मरीजों को अनेकों प्रकार की जांच व आपरेशन तक की सलाह देते हैं।

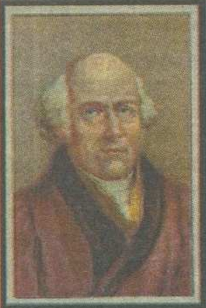

होमियोपैथी के प्रणेता हैनीमैन

अनेक प्रकार से अपना इलाज कराकर थक चुके लोग जब होम्योपैथी की शरण में आते हैं तो सबसे पहले तो उन्हें एकदम विचित्र सा लगता है। जब इस पैथी का डाक्टर मरीज से एक-दो घंटे तक ऐसे प्रश्न पूछता है, जिनका बीमारी से कोई दूर तक संबंध नजर नहीं आता है। इस चिकित्सा पद्धति के चिकित्सक मरीज से उसके बचपन, आदत, खानपान, स्वभाव, माता-पिता, गांव, सोने-जागने, उठने-बैठने के तरीके के बारे में सैकड़ों सवाल पूछते हैं। एक बार तो मरीज सोचने लगता है कि भला इन सब बातों का उसकी बीमारी से क्या संबंध होगा? होम्योपैथी के प्रसिद्ध डाक्टर तथा पिंपरी (पुणे) में होम्योपैथी के 'आदित्य हॉस्पिटल' के संचालक डॉ अमर निकम का कहना है कि मनुष्य की बीमारियों का संबंध उसके खानपान, आदत, रहन-सहन व आचरण से भी होता है इसलिए इन सब बातों का पता लगाकर बीमारी की तह तक पहुंचा जाता है और फिर दवाओं द्वारा बीमारियों को समूल नष्ट कर दिया जाता है। डॉ निकम पिंपरी में एक अस्पताल का संचालन करते हैं, जहां मरीजों के लिए लगभग पचास बेड हैं तथा यहां पूरा इलाज होम्योपैथी द्वारा ही किया जाता है।

डॉ अमर निकम

होम्योपैथी द्वारा इलाज कराने वाला मरीज जब शुरू में सफेद रंग की मीठी-मीठी गोलियां खानी शुरू करता है तो उसे लगता है कि उसके गंभीर रोग पर जब दूसरे इंजेक्शन और बड़े-बड़े कैप्सूल असर नहीं डाल पाए तो ये मीठी गोलियां क्या असर कर पाएंगी? परंतु धीरे-धीरे जब ये गोलियां अपना असर दिखाना शुरू करती हैं तो मरीज हैरान हो जाता है। मुंबई की होम्योपैथी डाक्टर द्वितीया पै का कहना है कि उनके पास दूसरी चिकित्सा पद्धतियों से इलाज कराकर थक चुके अनेक मरीज आते हैं और ठीक होने पर होम्योपैथी को धन्यवाद देते हैं।

डॉ द्वितीया पै बताती हैं कि होम्योपैथी एक सस्ती व अत्यंत प्रभावी चिकित्सा पद्धति है जो बीमारियों को धीरे-धीरे परंतु समूल खत्म कर देती है। बहरहाल होम्योपैथी एक ऐसी चिकित्सा पद्धति है जिसके द्वारा अनेक जीर्ण रोगों का सस्ता व बेहतर इलाज संभव है।

अस्थमा, मधुमेह, माइग्रेन, साइनस, समेत कुछ बीमारियां तो ऐसी हैं जिन पर इस पैथी की दवाएं अत्यंत प्रभावी हैं। सस्ते व प्रभावी इलाज के लिए इस पैथी से जुड़े अनेक चिकित्सक होम्योपैथी से इलाज कराने का पक्ष लेते हैं।

• मुकेश गौतम